Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
M.B.R.R.V.Pd. College, Ara

Interpersonal Attraction and its Determinants (पारस्परिक आकर्षण एवं उसके निर्धारक)

1. **प्रस्तावना (Introduction)**

   - Interpersonal Attraction (पारस्परिक आकर्षण) से आशय उस सकारात्मक भावनात्मक, संज्ञानात्मक और व्यवहारिक प्रवृत्ति से है जिसके कारण एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की ओर खिंचाव महसूस करता है। यह खिंचाव मित्रता, प्रेम, सहयोग, विवाह, समूह निर्माण आदि सामाजिक संबंधों की आधारशिला है।

   - सामाजिक मनोविज्ञान में यह एक केंद्रीय विषय है क्योंकि मानव व्यवहार मूलतः सामाजिक है और अधिकांश निर्णय सामाजिक संबंधों से प्रभावित होते हैं।

2. **पारस्परिक आकर्षण की परिभाषाएँ**

   - बैरन और बायरन (Baron & Byrne) के अनुसार -

     "Interpersonal attraction refers to positive attitudes and evaluations one person holds about another."

     अर्थात पारस्परिक आकर्षण का मतलब है एक व्यक्ति का दूसरे के प्रति सकारात्मक नज़रिया और मूल्यांकन।

   - Aronson के अनुसार -

     "Attraction is a positive evaluation of another person."

     अर्थात आकर्षण में संज्ञान (cognition), भावना (affect) और व्यवहार (behavioral tendency) तीनों घटक शामिल होते हैं।

Edit with WPS Office

3. **पारस्परिक आकर्षण के सिद्धांत (Theories of Interpersonal Attraction)**

(I) संतुलन सिद्धांत (Balance Theory – Heider)

- व्यक्ति संज्ञानात्मक संतुलन बनाए रखना चाहता है।
- यदि दो व्यक्तियों के विचार समान हों, तो आकर्षण बढ़ता है।
- असंतुलन होने पर तनाव उत्पन्न होता है।

उदाहरण: यदि A और B दोनों एक ही राजनीतिक विचारधारा का समर्थन करते हैं, तो उनके बीच आकर्षण की संभावना अधिक होगी।

(II) सामाजिक विनिमय सिद्धांत (Social Exchange Theory – Thibaut & Kelley)

- संबंध लाभ और लागत (Rewards & Costs) के आधार पर बनते हैं।
- व्यक्ति उस संबंध को चुनता है जिसमें लाभ अधिक और लागत कम हो।
- तुलना स्तर (Comparison level) भी महत्वपूर्ण है।

(III) प्रोत्साहन-अनुमान सिद्धांत (Reinforcement-Affect Model – Byrne)

- हम उन व्यक्तियों की ओर आकर्षित होते हैं जो हमें सकारात्मक अनुभव (reinforcement) देते हैं।
- समानता सकारात्मक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करती है।

(IV) विकासात्मक दृष्टिकोण (Evolutionary Perspective)

- आकर्षण जैविक और प्रजनन संबंधी कारणों से प्रभावित होता है।
- शारीरिक आकर्षण को स्वास्थ्य और अच्छे जीन का संकेत माना जाता है।

4. **पारस्परिक आकर्षण के निर्धारक (Determinants of Interpersonal Attraction)**

(I) निकटता (Proximity)

- भौगोलिक निकटता आकर्षण को बढ़ाती है।
- Mere Exposure Effect (Zajonc) – बार-बार संपर्क से पसंद बढ़ती है।

Edit with WPS Office

- विद्यालय, कार्यालय, पड़ोस आदि में निकटता से मित्रता विकसित होती है।

(II) समानता (Similarity)

- समान विचार, मूल्य, शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक स्थिति आकर्षण को बढ़ाते हैं।
- समानता से संज्ञानात्मक संतुलन और पूर्वानुमेयता बढ़ती है।
- Attitude Similarity Attraction Hypothesis

(III) पूरकता (Complementarity)

- कभी-कभी विपरीत गुण आकर्षित करते हैं।
- विशेषकर प्रभुत्व (dominance) और अधीनता (submission) जैसे व्यक्तित्व गुणों में।

(IV) शारीरिक आकर्षण (Physical Attractiveness)

- "What is beautiful is good" स्टीरियोटाइप।
- आकर्षक व्यक्तियों को अधिक सामाजिक, बुद्धिमान और सफल माना जाता है।
- Halo Effect का प्रभाव।

(V) पारस्परिकता (Reciprocity of Liking)

- हम उन लोगों को पसंद करते हैं जो हमें पसंद करते हैं।
- पारस्परिक प्रशंसा आकर्षण को बढ़ाती है।

(VI) व्यक्तित्व गुण (Personality Traits)

- गर्मजोशी (warmth), ईमानदारी, हास्यबोध, सहानुभूति आकर्षण बढ़ाते हैं।
- अत्यधिक आत्ममुग्धता या आक्रामकता आकर्षण कम कर सकती है।

(VII) क्षमता (Competence)

Edit with WPS Office

- योग्य और कुशल व्यक्ति आकर्षक लगते हैं।
- Pratfall Effect (Aronson) – अत्यधिक परिपूर्ण व्यक्ति की छोटी गलती उसे अधिक मानवीय और आकर्षक बना सकती है।

(VIII) सामाजिक और सांस्कृतिक कारक

- समान धर्म, जाति, भाषा, संस्कृति।
- पारिवारिक पृष्ठभूमि और सामाजिक मानदंड।

(IX) भावनात्मक स्थिति (Emotional State)

- यदि कोई व्यक्ति हमारी सकारात्मक भावनाओं के समय उपस्थित हो, तो हम उसे अधिक पसंद करते हैं।
- Misattribution of Arousal (Dutton & Aron Bridge Study)

5. **प्रेम और आकर्षण (Love and Attraction)**

   आकर्षण से प्रेम विकसित हो सकता है।

   Sternberg's Triangular Theory of Love:

   - अंतरंगता (Intimacy)
   - आकर्षण/उत्तेजना (Passion)
   - प्रतिबद्धता (Commitment)

6. **आकर्षण के प्रकार**

   - मित्रतापूर्ण आकर्षण (Friendship-based attraction)
   - रोमांटिक आकर्षण (Romantic attraction)
   - कार्य-आधारित आकर्षण (Task-based attraction)

Edit with WPS Office

7. **आकर्षण में आधुनिक परिप्रेक्ष्य**

   - ऑनलाइन डेटिंग और सोशल मीडिया
   - आभासी संचार में आत्म-प्रस्तुति (Self-presentation)
   - एल्गोरिदमिक मैचिंग और समानता का सिद्धांत

8. **आलोचनात्मक मूल्यांकन (Critical Evaluation)**

   - समानता का प्रभाव अत्यधिक सिद्ध हुआ है।
   - सांस्कृतिक संदर्भ महत्वपूर्ण है।
   - सामाजिक विनिमय सिद्धांत अत्यधिक तर्कसंगत (rational) मान्यताओं पर आधारित है।
   - विकासवादी दृष्टिकोण जैविक कारकों पर अधिक बल देता है, सामाजिक कारकों की उपेक्षा कर सकता है।

9. **निष्कर्ष (Conclusion)**

   पारस्परिक आकर्षण एक बहुआयामी प्रक्रिया है जिसमें जैविक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सभी कारक भूमिका निभाते हैं। निकटता, समानता, पारस्परिकता और शारीरिक आकर्षण इसके प्रमुख निर्धारक हैं। यह न केवल व्यक्तिगत संबंधों बल्कि सामाजिक संरचना और समूह निर्माण को भी प्रभावित करता है।

Edit with WPS Office